VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 14 AUG 2023 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2085)

Name of Candidate	Shivam Agarwal		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	L082039
Center	Mukherjee Nagar	Date	14/08/2023

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. पाल साम्राज्य को बौद्ध कला के विशिष्ट रूप के लिए जाना जाता है। इस संदर्भ में कला के क्षेत्र में पाल वंश के योगदानों पर चर्चा कीजिए।
The Pala Empire is known for a distinctive form of Buddhist art. In this context, discuss the contributions made by the Pala dynasty towards art. (Answer in 150 words) 10

पूर्व मध्यकाल (800 - 1200 ई.पू.) में जब बौद्ध धर्म का पतन होने लगा तब पाल राजवंश ने बौद्ध धर्म को पुनर्जीवित करने का कार्य किया। इस संदर्भ में पाल राजवंश का महत्त्वपूर्ण योगदान है।

पाल साम्राज्य का बौद्ध कला में योगदान

1) पाल साम्राज्य ने बौद्ध स्तूपों, मठों आदि में लोक वर्ण विषयों (जैसे - बुद्ध का जीवन, जन्म, महापरिनिर्वाण आदि) के अंकन द्वारा बौद्ध कला को रचनात्मक भूमिका प्रदान की।

2) पाल राजवंश के शासकों धर्मपाल व देवपाल ने विक्रमशीला विश्वविद्यालय आदि के माध्यम से बौद्ध कला को संरक्षण प्रदान किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) बौद्ध मठों, स्तूपों आदि पर कलात्मक अंकन प्रस्तुत किये जो आज भी दर्शनीय स्थल बने हुए हैं।

चित्र - पाल राजवंश

4) बौद्ध कला का न केवल भारत अपितु पड़ोसी राज्यों जैसे - नेपाल, तिब्बत, भूटान, दक्षिण पूर्व एशिया आदि में प्रचार किया।

5) इससे बौद्ध कला को विभिन्न क्षेत्रों से राजकीय संरक्षण व प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

निष्कर्षतः पाल साम्राज्य के योगदान को इंडोनेशिया के जावा में स्थित बौद्ध बोरोबुदुर मंदिर के संदर्भ में समझा जा सकता है जो बौद्ध स्थापत्य कला का अनूठा उदाहरण है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. आदि शंकराचार्य ने अपनी महान क्षमता से हिंदू धर्म को पुनः स्थापित किया और उत्कृष्ट स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए वैदिक परंपरा को फिर से प्रतिष्ठित किया। चर्चा कीजिए।
It was Adi Shankaracharya's genius that reinvented Hinduism and re-established the Vedic tradition with excellent commentaries. Discuss. (Answer in 150 words) 10

आदि शंकराचार्य अद्वैतवाद सिद्धांत के प्रतिपादक थे जिन्होंने वैदिक कर्मकाण्डों की आलोचना करके तथा अपने शास्त्रवादी तर्कों से वैदिक परंपरा व हिन्दू धर्म को पुनःस्थापित करने का कार्य किया। इस संदर्भ में उन्होंने चार मठों (शृंगेरी, जगन्नाथपुरी, द्वारिकाधीश, रामेश्वरम्) आदि की भी स्थापना की।

हिन्दू धर्म को पुनः स्थापित करने हेतु शंकराचार्य का योगदान

1) वैदिक कर्मकांडों की आलोचना तथा कर्म के सिद्धांत पर बल

2) शंकराचार्य ने संसार / जगत को ब्रह्म का विवर्त या मिथ्या कहकर संबोधित किया।

3) आत्मा एवं ब्रह्म के अद्वैत की व्याख्या करते हुए अद्वैतवादी सिद्धांत का प्रतिपादन

4) माँस-मदिरा, संभोग, वेश्यावृत्ति जैसे दुर्गुणों से हिंदू धर्म को बाहर निकालकर ज्ञानमार्गी बनाया।

5) जाति प्रथा, ऊँच-नीच, भेदभाव आदि को त्यागकर भाई-चारे एवं समानता के सिद्धांत पर बल दिया।

6) मंडनमिश्र को शास्त्रार्थ में पराजित करके ज्ञान को मोक्ष मार्ग के रूप में स्थापित किया।

निष्कर्षतः शंकराचार्य के दर्शन ने भक्तिमार्ग को भले ही जड़ों से काट दिया किन्तु हिंदू धर्म को पतन के रास्ते से निकालकर सद्गुणों की शिक्षा दी।

3. औपनिवेशिक वन नीतियां स्थानीय लोगों के कल्याण और पर्यावरण की चिंता किए बिना ब्रिटिश साम्राज्य की जरूरतों से प्रेरित थीं। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।
The colonial forest policies were driven by the needs of the British Empire with no concern for the well-being of the locals and the environment. Discuss in the context of India. (Answer in 150 words) 10

औपनिवेशीक वन नीतियाँ, ब्रिटिश साम्राज्य के औपनिवेशिक हितों से परिचालित थीं जिनका उद्देश्य अधिक-से-अधिक लाभ अर्जित करना था ताकि वे उपनिवेशों पर लंबे समय तक अपनी पकड़ बनाये रख सकें।

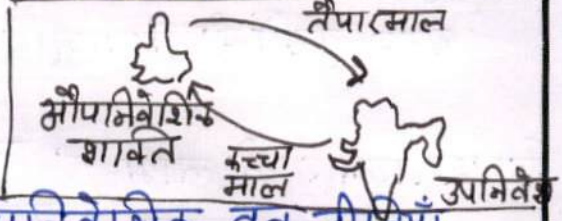

भारत के संदर्भ में औपनिवेशिक वन नीतियाँ

1) भारत में ब्रिटिश सरकार ने चाय तथा कॉफी के बागानों को प्राथमिकता दी ताकि लंदन, चीन, कोलकाता (भारत) के त्रिकोणीय व्यापार से लाभ प्राप्त किया जा सके।

2) मूलवृक्षों की कटाई करवाकर बड़ी मात्रा/संख्या में चीड़ तथा ताड़ के वृक्ष लगवाये गये।

इनकी लकड़ी का इस्तेमाल रेलवे की पटरी में होता था।

औपनिवेशिक वन नीतियों का मूल्यांकन

1) भारतीयों को नुकसान
- जनजातियों का भूमि से विस्थापन ⇒ आदिवासी विद्रोह
- स्थानांतरी या झूम कृषि पर प्रतिबंध
- पर्यावरण को नुकसान (चूँकि वृक्षों की अंधाधुंध कटाई)

2) ब्रिटिश सरकार को लाभ
- अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति जैसे - रेलवे निर्माण
- चाय - कॉफी बागानों से अधिकतम लाभ प्राप्ति

निष्कर्षतः इन नीतियों के विरोध में संथाल, मुंडा आदि जनजातियों ने आदिवासी विद्रोह किये जिन्होंने 1857 के विद्रोह का आधार तैयार किया।

4. पंचशील और गुटनिरपेक्षता के सिद्धांतों ने शीत युद्ध के दौर में भारत को मार्गदर्शित करने में सहायता प्रदान की। चर्चा कीजिए।
The principles of Panchsheel and Non-Alignment aided India in maneuvering the Cold War era. Discuss. (Answer in 150 words) 10

शीतयुद्ध के दौर में जब पूरा विश्व पूंजीवादी एवं साम्यवादी दो गुटों में विभाजित था तब भारत जैसे नवस्वतन्त्र देशों ने गुटीय राजनीति से दूर रहने पर अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की।

पंचशील के सिद्धांत

ये सिद्धांत भारत की विदेश नीति के मूल आधार हैं

1) प्रत्येक राज्य/देश की संप्रभुता का सम्मान करना
2) किसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना
3) शांतिपूर्ण सह अस्तित्व की नीति

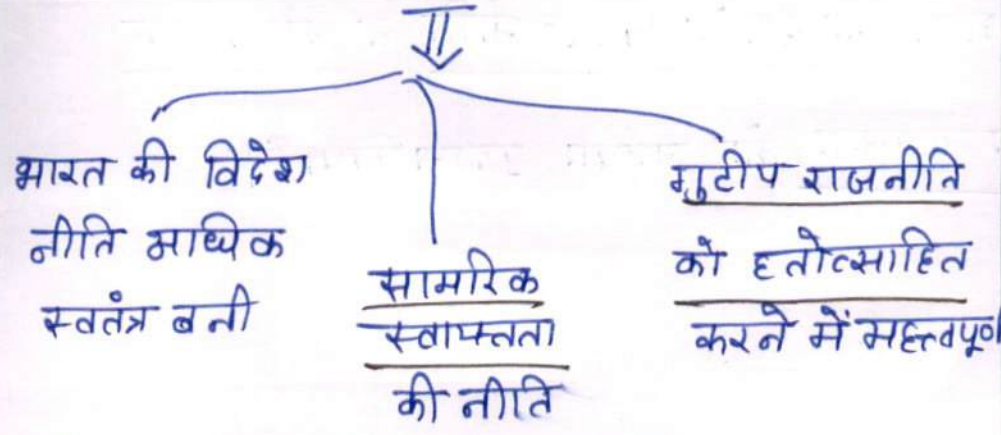

गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत - पूंजीवादी या साम्यवादी आदि किसी भी गुट में भागीदारी न करना ही गुटनिरपेक्षता की नीति है।

सहायक कैसे?

1) भारत पूंजीवादी एवं साम्यवादी दोनों गुटों से सहायता प्राप्त कर सकता था।

2) किसी बाहरी शत्रु की उपस्थिति नहीं जिससे अधिक विकास खर्च (सैन्य व्यय की तुलना में)

3) लोकतंत्र की भावना को मजबूती।

निष्कर्षतः पंचशील व गुटनिरपेक्षता की नीति ने ही वर्तमान में भारत की स्वतंत्र विदेश नीति व सामरिक स्वायत्तता को आधार प्रदान किया है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. 19वीं शताब्दी के यूरोप की प्रमुख विशेषताओं में से एक राष्ट्रीय एकीकरण के लिए संघर्ष था। जर्मनी के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

One of the major features of the 19th century Europe was the struggle for national unification. Discuss in the context of Germany. (Answer in 150 words) 10

जर्मनी तथा इटली के एकीकरण जैसी घटनाओं ने 19वीं शताब्दी में यूरोप के राष्ट्रीय एकीकरण का आधार निर्मित किया। वस्तुतः जर्मनी के एकीकरण में बिस्मार्क की रक्त एवं लौह की नीति ने मुख्य भूमिका निभाई।

यूरोप के राष्ट्रीय एकीकरण के लिए संघर्ष कैसे?

1) वस्तुतः इंग्लैण्ड, फ्रांस, आस्ट्रिया जैसी क्षेत्रीय शक्तियाँ जर्मनी के एकीकरण में बाधक थीं क्योंकि एकीकरण से उन्हें अपनी शक्ति के कम होने का भय था।

2) उत्तर में श्लेसविग एवं होल्सटाइन का क्षेत्र जर्मनी के एकीकरण में बाधक था।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3) ऐसे में बिस्मार्क ने रक्त, लौह एवं स्याही की नीति से जर्मनी के एकीकरण का कार्य किया।

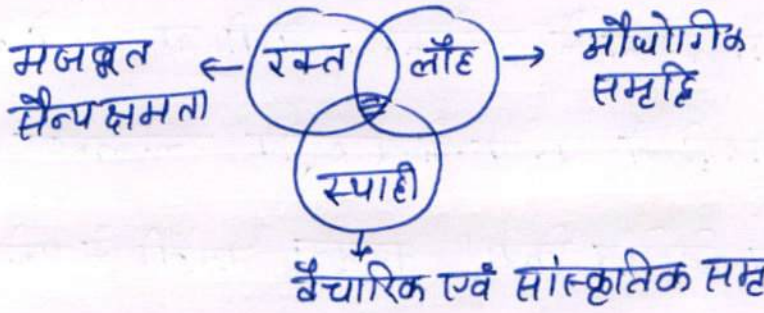

4) बिस्मार्क ने 3 युद्धों से एकीकरण का कार्य पूरा किया

- डेनमार्क से युद्ध (1864)
- आस्ट्रिया से युद्ध (सेडोवा का युद्ध) 1866
- फ्रांस से युद्ध (सेडान का युद्ध) 1870

इस प्रकार यूरोप के एकीकरण का कार्य जर्मनी तथा इटली के एकीकरण के माध्यम से पूरा हुआ और वर्तमान औद्योगिक राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर यूरोप का उदय हुआ।

6. ट्रिपल डिप ला नीना परिघटना क्या है? विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर इसके संभावित प्रभाव की विवेचना कीजिए।
What is the triple dip La Niña phenomenon? Discuss its likely impact on different regions of the world. (Answer in 150 words) 10

ला नीना ठंडी जलधारा का एक रूप है जो प्रत्येक 3 से 7 वर्षों के बीच में सक्रिय होती है। इसके फलस्व-रूप भारतीय एवं विश्व की जलवायु पर वृहद् प्रभाव देखने को मिलते हैं।

चित्र- ट्रिपल डिप ला नीना

विश्व के विभिन्न क्षेत्रों पर इसके संभावित प्रभाव

1) भारतीय उपमहाद्वीप पर - भारत में निम्न वायुदाब क्षेत्र के विकास से चक्रवातीय दशा का निर्माण

- वर्षण की प्राप्ति
- मछलियों की प्राप्ति अधिक (आर्थिक लाभ)
- प्रवाल भित्तियाँ एवं पारिस्थितिकी तंत्र संतुलित

2) दक्षिण अमेरिका व पेरू के तट पर प्रभाव - यहाँ उच्च वायुदाब निर्माण के कारण प्रतिचक्रवातीय दशा का विकास जिससे सूखे की घटना

- सूखा प्रवण क्षेत्र
- पारिस्थितिकी तंत्र पर संकट
- मत्स्य उत्पादन/जलीय कृषि प्रभावित

3) AMOC (अटलांटिक मेरिडियोनल ओसिलेशन सर्कुलेशन) की गति मंद पड़ जायेगी।

4) आस्ट्रेलिया के पूर्वी तटों पर शुष्क मौसम का प्रभाव तथा प्रवाल विरंजन

निम्नवर्षा, द्विध्रुव, ला नीना

की घटना से द्विध्रुवों का प्रशांत महासागर में विकास हो जाने से विपरीत पारिस्थितिकी संस्थानों का निर्माण होता है। इसके प्रभाव को कम करने के लिए R&D में निवेश करने की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. जलविद्युत दुनिया भर में निम्न कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत है, लेकिन भारत के कुल इलेक्ट्रिसिटी मिक्स में इसकी हिस्सेदारी बहुत कम बनी हुई है। चर्चा कीजिए।
Hydropower is a major source of low-carbon energy supply across the world but its share in India's total electricity generation remains low. Discuss. (Answer in 150 words) 10

जलविद्युत ऊर्जा, ऊर्जा का एक ऐसा रूप है जिसमें जल की ऊर्जा को टरबाइन के माध्यम से विद्युत ऊर्जा में रूपांतरित किया जाता है।

जल → टरबाइन → विद्युत ऊर्जा

जलविद्युत ऊर्जा के लाभ

1) कोयले पर निर्भरता में कमी आयेगी (वर्तमान में 45% ऊर्जा आपूर्ति कोयले से)

2) कार्बन उत्सर्जन में कटौती जिससे स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन

3) भारत में 7516.6 km लंबी तटरेखा तथा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध जल का उपयोग संभव।

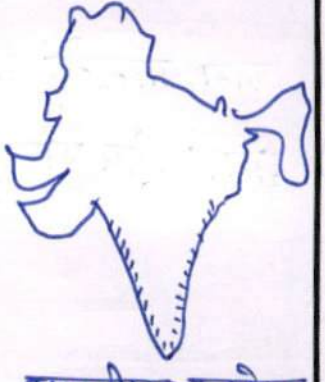

भारतीय तटरेखा 7516.6 km लंबी
⇓
जलविद्युत ऊर्जा की पर्याप्त संभावना

जलविद्युत की कम हिस्सेदारी के कारण

1) आधारभूत बुनियादी ढाँचे की कमी
2) पूँजी व आधुनिक तकनीक की कमी
3) भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दे
4) पर्यावरणीय मंजूरी में देरी

सुझाव

(1) निजी क्षेत्रक को प्रोत्साहित करना चाहिए (सब्सिडी, Tax में छूट देकर)
(2) R&D में निवेश को बढ़ाना (वर्तमान में GDP का 0.75%)
(3) श्रम कानूनों का सरलीकरण करना
(4) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (जैसे - इजराइल से)

निष्कर्षतः 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जलविद्युत ऊर्जा को संधारणीय ऊर्जा विकल्प के रूप में उपयोग करना आवश्यक है।

8. हाल ही में तुर्किये में आए भूकंप के संदर्भ में, सिस्मिक गैप की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। साथ ही, भूकंप की तीव्रता के लिए उत्तरदायी कारणों को भी सूचीबद्ध कीजिए।

Explain the concept of seismic gap in the context of the recent earthquake in Turkey. Also, enlist the reasons behind the severity of the earthquake. (Answer in 150 words) 10

भूकंप की उत्पत्ति पृथ्वी पर P, S तथा L-तरंगों के रूप में होती है। भूकंप उत्पत्ति की व्याख्या प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत तथा सिस्मिक गैप के आधार पर की जा सकती है।

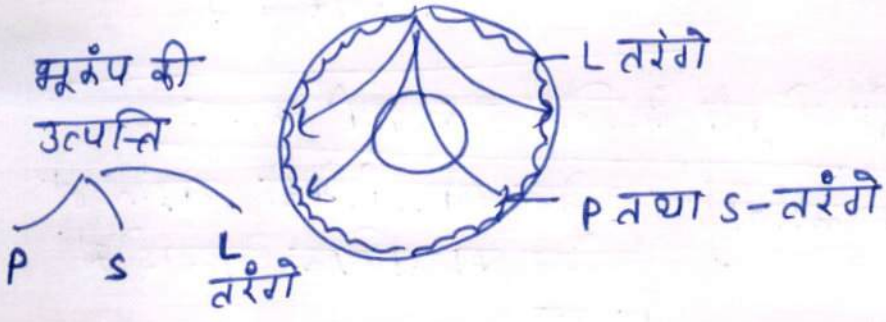

सिस्मिक गैप की अवधारणा

1) इसके अनुसार अभिसारी प्लेट सीमांत पर जब महाद्वीपीय एवं महासागरीय प्लेट के बीच टक्कर होती है तब अधिक घनत्व वाली महासागरीय प्लेट का अधिक गहराई में क्षेपण (Subduction) होता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) अधिक गहराई में ताप वृद्धि से मैग्मा का आंशिक गलन होता है।

3) जब यही मैग्मा पृथ्वी की आंतरिक परतों को तोड़ते हुए सतह पर आता है तब कंपन के रूप में भूकंप की उत्पत्ति होती है।

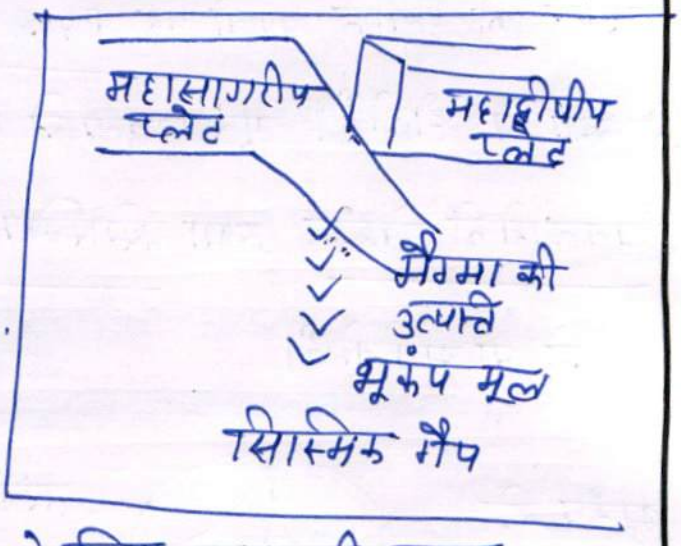

भूकंप की तीव्रता के लिए उत्तरदायी कारण

1) प्राकृतिक कारण
- प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत में प्लेट का अधिक गहराई में जेपण
- सिस्मेकगैप की गहराई अधिक होना

2) मानवजनित कारण
- निर्माण गतिविधियाँ जैसे- बाँध, पुल निर्माण
- अंधाधुंध वनोन्मूलन, पारिस्थितिकी असंतुलन

निष्कर्षतः भूकंप के क्षेत्रों के मानचित्रण एवं आँकलन द्वारा ही इससे होनेवाली जन-धन की हानि को कम किया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. भारत में विवाहों की हालिया प्रवृतियों पर प्रकाश डालते हुए, व्याख्या कीजिए कि समलैंगिक विवाह के कानूनी समर्थन को मौलिक महत्व का मुद्दा क्यों कहा जा रहा है।
Highlighting the recent trends in marriages in India, explain why the legal backing of same-sex marriage is being termed as an issue of seminal importance. (Answer in 150 words) 10

भारत विभिन्न धर्मों, भाषा, नस्लों आदि के आधार पर Melting Pot culture वाला देश है। विवाह व्यवस्था को भारतीय समाज में प्रमुख दर्जा प्राप्त है। वर्तमान में वैश्वीकरण व मूल्यों के तीव्र प्रसार ने विवाह व्यवस्था में परिवर्तन किये हैं।

भारत में विवाहों की हालिया प्रवृत्तियाँ

1) सामान्य परंपरागत विवाह (द्विलिंगी मनुष्यों (विषमलिंगी) के बीच विवाह)

2) समलैंगी विवाह
   - पुरुष-पुरुष विवाह (गे रिलेशनशिप)
   - स्त्री-स्त्री विवाह (लेस्बियन रिलेशनशिप)

हालांकि वर्तमान में विषमलिंगी विवाहों की दर 80% से अधिक बनी हुई है।

समलैंगिक विवाह के कानूनी समर्थन के मुद्दे के कारण —

1) वैश्वीकरण व मूल्यों का तीव्र प्रसार (पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव जिसमें विवाह व्यवस्था माध्यम लचीली)

2) सोशल मीडिया का प्रभाव (Tinder, Blurr Gay ऐप)

3) सर्वोच्च न्यायालय ने नवतेज सिंह जौहर (2018) केस में समलैंगिकता को अपराध की श्रेणी से मुक्त किया ⇒ समलैंगिक संबंधों को कानूनी सहमति

4) निजता व गरिमापूर्ण मानवीय जीवन मूल अधिकार है। (अनु० 21 के तहत)

5) पश्चिमी देशों (जैसे USA) में अनुमति का होना।

निष्कर्षतः समाज के सभी हितधारकों की आपसी सहमति व जागरूकता निर्माण के बाद समलैंगिक विवाहों को कानूनी मान्यता देना समय की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. परस्पर संबद्ध विश्व में मानसिक कल्याण को प्रभावित करने वाले कारकों की बहुलता को ध्यान में रखते हुए, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने में आने वाली विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

Considering the multiplicity of factors affecting the mental well-being in an inter-connected world, discuss the various challenges in achieving sound mental healthcare. (Answer in 150 words) 10

नीति आयोग के अनुसार - भारत में लगभग 95% लोग मानसिक रूप से पीड़ित हैं जबकि WHO ने वैश्विक रूप से लगभग 30% आबादी को मानसिक रूप से पीड़ित के रूप में चिन्हित किया है जिसमें से मात्र 4% लोग स्वास्थ्य सेवा को प्राप्त करने में सक्षम हैं।

विश्व में मानसिक कल्याण को प्रभावित करने वाले कारक

1) जलवायविक कारक - जैसे अत्यधिक बढ़ता तापमान (यूरोप व भारत में हीट वेव का प्रभाव) आदि

2) पर्यावरणीय कारक - मानव-प्रकृति के बीच असंतुलित संबंध
   - जलवायु परिवर्तन का व्यापक असर

3) मौलिक कारक - स्क्रीन टाइम का बढ़ना
   - निष्क्रिय जीवन शैली

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भावनात्मक अकेलापन — तनाव, अवसाद, क्रोध जैसे कारकों में वृद्धि

4) अन्य कारक — मानसिक स्वास्थ्य को सामाजिक कलंक के रूप में देखना

चुनौतियाँ

① बेहतर चिकित्सा देखभाल व चिकित्सकों की कमी (10,000 आबादी पर 1 मनोचिकित्सक)

② स्वास्थ्य पर खर्च अभी भी बहुत कम (आर्थिक समीक्षा – GDP का 2.1%)

③ मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान न देना → सामाजिक कलंक के रूप में

④ जागरूकता की कमी

सुझाव

① मनोचिकित्सकों की संख्या बढ़ाना

② लोगों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता निर्माण

③ 15वें वित्त आयोग ने स्वास्थ्य खर्च को GDP के 2.5–3% बढ़ाने की सिफारिश दी है।

निष्कर्षतः मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देकर ही SDG-3 (Good Health & Well Being) के लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक भारत में प्रमुख मुद्राशास्त्र चरणों का सविस्तार वर्णन कीजिए। साथ ही, चर्चा कीजिए कि सिक्कों का अध्ययन किस प्रकार इतिहास को समझने में मदद करता है।

Elaborate upon the major numismatic stages in India from the ancient to modern times. Also, discuss how the study of coins helps in understanding history. (Answer in 250 words) 15

किसी भी देश के इतिहास को समझने हेतु दो प्रकार के स्रोतों का प्रयोग किया जाता है- 1) पुरातात्विक स्रोत तथा 2) साहित्यिक स्रोत। मुद्राशास्त्र, पुरातात्विक स्रोत के रूप में भारतीय इतिहास के आर्थिक-राजनीतिक व सामाजिक जीवन का वर्णन करता है।

प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक भारत में मुद्राशास्त्र चरण

① सिंधु घाटी सभ्यता या हड़प्पा सभ्यता
- विभिन्न धातुओं जैसे- काँसे, ताँबे आदि की मुद्राएँ
- हड्डियों या पत्थरों से बनी मुद्राएँ

② वैदिक काल - लोहे का सर्वप्रथम प्रयोग
- इसलिए लोहे का प्रयोग सिक्कों / मुद्रा के निर्माण में।

③ मौर्य काल व मौर्योत्तर काल - मौर्यों ने धातु

मुद्राओं का प्रचलन किया।

→ मिश्र धातु से बने सिक्के प्रचलित हुए।

④ गुप्त काल व गुप्तोत्तर काल

- आर्थिक समृद्धि के कारण सोने, चाँदी जैसे बहुमूल्य धातुओं के सिक्कों का प्रचलन
- समुद्रगुप्त ने अपने शासन में कई प्रकार के सिक्कों का प्रचलन
  - राजा-रानी प्रकार सिक्का
  - धनुर्धारी प्रकार सिक्का
  - वीणा-वादन प्रकार सिक्का

⑤ मुगल काल - विभिन्न धातु सिक्कों का प्रचलन

⑥ आधुनिक काल

- स्वतंत्रता पूर्व ब्रिटिशों ने कागजी मुद्रा का प्रचलन
- स्वतंत्रता पश्चात
  - छोटी मूल्य के लिए धातु के सिक्के
  - बड़े/उच्च मूल्य वर्ग के लिए कागजी मुद्रा का प्रचलन

सिक्कों का अध्ययन इतिहास को समझने में मददगार कैसे?

1) सिक्के में प्रयुक्त धातु से उस समय की

आर्थिक स्थिति का पता चलता है।

जैसे- गुप्त काल मे प्रयुक्त सोने के सिक्के आर्थिक समृद्धि के प्रतीक हैं।

2) सिक्के तत्कालीन राजनीतिक व्यवस्था का संकेत भी देते हैं।

जैसे - चोल वंश में राजाओं का महत्त्व अधिक इसलिए मुद्रा/सिक्कों पर राजाओं का चित्रण (राजराज I से कुलोतुंग I तक)

3) सामाजिक स्थिति का संकेत (तुलनात्मक अध्ययन)

L जैसे - मौर्य / मौर्योत्तर काल की तुलना में गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में सामाजिक प्रभावशीलता में वृद्धि।

निष्कर्षतः मुद्रा के माध्यम से तत्कालीन समाज के विषय में बहुआयामी ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है इसलिए इतिहास में मुद्राशास्त्र का अत्यधिक महत्त्व है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. दलित अधिकारों के समर्थक के रूप में प्रसिद्ध होने के बावजूद, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का योगदान इससे कहीं अधिक है और इसमें कई अन्य विषय भी शामिल हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।
Despite being celebrated as the champion of Dalit rights, the contributions of Dr. B.R. Ambedkar went far beyond that and encompassed a wide range of issues. Elaborate. (Answer in 250 words) 15

डॉ० बी० आर० अम्बेडकर दलित अधिकारों के समर्थक होने के साथ-साथ आधुनिक भारत के निर्माता थे जिन्होंने संविधान निर्माण करके भारत में राजनीतिक लोकतंत्र को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दलित अधिकारों के समर्थक के रूप में अम्बेडकर

1) दलितों को कानूनी अधिकार दिलाने में मुख्य भूमिका
2) केन्द्रीय विधानसभा एवं लोकसभा में दलित वर्ग हेतु सीटों का आरक्षण सुनिश्चित

अन्य विषयों में योगदान

1) संविधान सभा में प्रारूप समिति के सदस्य
   └ संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका

समानता का अधिकार सुनिश्चित (Art 14-18)
अस्पृश्यता का अन्त (अनु० 17)

2) छुआछूत, भेदभाव, जातिगत भेदभाव से ऊपर उठाकर समाज को समानता तथा बंधुत्व के विचार से जोड़ा।

3) उच्च विद्यालयी शिक्षा तथा विश्वविद्यालयी शिक्षा से समाज के सभी वर्गों को जोड़ने में योगदान

4) स्त्री उत्थान के महत्वपूर्ण कार्य

- स्त्रियों को मताधिकार
- शिक्षा के अधिकार से जोड़ने में भूमिका
- अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता

5) अल्पसंख्यक समुदायों तथा अन्य वर्गों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6) स्वतंत्र भारत के विधि मंत्री के रूप में कार्य किया।

निष्कर्षतः महात्मा गांधी के हृदय परिवर्तन सिद्धांत के विपरीत डॉ० अम्बेडकर ने दलित के कानूनी अधिकारों पर बल देकर तथा संविधान निर्माण के माध्यम से भारतीय समाज को आधुनिकता से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. 1930-34 के सविनय अवज्ञा आंदोलन को एक अद्वितीय विशेषता, क्षेत्रीय स्थानिक पैटर्न और लामबंदी के नए तरीकों को शामिल करने के लिए जाना जाता है। स्पष्ट कीजिए।
The Civil Disobedience Movement of 1930-34 was marked by a unique character, regional spatial patterns and employment of new mobilization techniques. Elucidate. (Answer in 250 words) 15

सविनय अवज्ञा आंदोलन, 1919 के मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधारों तथा साइमन कमीशन (1928) से असंतुष्ट होकर किया गया एक जन आंदोलन था जिसमें भारत के सभी वर्गों की व्यापक भागीदारी रही।

सविनय अवज्ञा आंदोलन

अद्वितीय विशेषता

1) नमक को केन्द्रीय महत्त्व के विषय के रूप में प्रयोग करना
2) महात्मा गांधी के द्वारा दांडी मार्च (12 मार्च से 6 अप्रैल, 1930) का आयोजन
3) समाज के सभी वर्गों - (किसान, महिलाओं, मजदूरों, छात्रों की भागीदारी
4) महिलाओं द्वारा शराब की दुकानों पर धरना प्रदर्शन

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्रीय स्थानिक पैटर्न

1) आंदोलन का प्रसार मुख्यतः तटीय क्षेत्रों में जहाँ नमक निर्माण का कार्य होता था।

2) जहाँ तटीय क्षेत्र नहीं ~~था~~ या वहाँ पहुँचना कठिन वहाँ चौकीदारी कर रोको आंदोलन

3) बॉम्बे में धरसणा तट पर सरोजिनी नायडू मणिपुर में नागा जनजाति की रानी गाँडिनल्यू द्वारा आंदोलन नेतृत्व

लामबंदी के नए तरीके

1) विद्यार्थियों द्वारा स्कूलों का बहिष्कार

2) चौकीदारी कर रोको, लगान रोको जैसे आंदोलन

3) नमक बनाकर नमक कानून का उल्लंघन करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निष्कर्षतः सविनय अवज्ञा आंदोलन ने कालांतर में भारत छोड़ो आन्दोलन तथा इस प्रकार भारत की स्वतंत्रता को आधार प्रदान किया। इस दौरान मुस्लिम वर्गों की व्यापक भागीदारी से ब्रिटिश सरकार का यह भ्रम टूट गया कि वे आंदोलन से पूर्णतः अलग हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. भारत के तटीय क्षेत्रों में द्वीपों के डूबने की परिघटना के लिए उत्तरदायी कारणों की व्याख्या कीजिए। साथ ही, संपूर्ण राष्ट्र और विशेष रूप से द्वीपीय समुदाय के लिए इसके संभावित प्रभावों का मूल्यांकन कीजिए।

Explain the underlying causes behind the phenomenon of sinking islands in India's coastal regions. Also, evaluate its possible implications for the nation as a whole and island communities in particular. (Answer in 250 words) 15

IPCC की 6वीं आँकलन रिपोर्ट के अनुसार-

आर्कटिक के क्षेत्र ग्लोबल वार्मिंग के कारण अंटार्कटिक की अपेक्षा अधिक तेजी से पिघल रहे हैं जिसके कारण तटीय क्षेत्रों में द्वीपीय राष्ट्रों के अस्तित्व पर संकट बढ़ गया है।

भारत के तटीय क्षेत्रों में द्वीपों के डूबने के कारण

1) जलवायु परिवर्तन

ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि

आर्कटिक व अंटार्कटिक तथा हिमालयी ग्लेशियरों के पिघलने की

दर में वृद्धि

↳ जिसके कारण समुद्रों का जलस्तर प्रतिवर्ष 1 मी० की ऊँचाई की दर से बढ़ रहा है।

⇓

द्वीपीय राष्ट्रों के डूबने का संकट

2) मानवीय गतिविधियाँ

- वृक्षों का कटाव
- अंधाधुंध निर्माण कार्य

} मृदा को बाँधकर रखने की क्षमता कम

⇓

मृदा का कटाव अधिक तेजी से

↓

द्वीपीय राष्ट्रों में बाढ़ की स्थिति तथा डूबने का संकट

3) बाढ़/फ्लैश फ्लड/ जैसी प्राकृतिक आपदाएँ

बादल का फटना

↳ द्वीपीय राष्ट्रों के डूबने की संभावना

जैसे - मालदीव, अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह

अरब सागर के द्वीप

संभावित प्रभाव

1) आर्थिक प्रभाव { आधारभूत संरचना की क्षति
नीति आयोग - प्रतिवर्ष GDP के 6% के बराबर आर्थिक नुकसान

2) सामाजिक प्रभाव { जन-धन की हानि
पलायन व शरणार्थी समस्या

3) पर्यावरणीय प्रभाव { पारिस्थितिकी असंतुलन की समस्या
जैव विविधता का ह्रास
आवासों का विखंडन

क्षमता निर्माण
जागरूकता व स्थानीय सहयोग — सुझाव — जोन आधारित रणनीति (रेड, आरेंज, ग्रीन)
मानचित्रण

निष्कर्षतः आधुनिक तकनीक जैसे - AI, IOT, ड्रोन तकनीकी आदि द्वारा खतरों का पूर्वानुमान लगाकर नुकसान को कम किया जा सकता है।

15. भारत में संधारणीय पर्यटन के संबंध में क्षेत्र-विशिष्ट बाधाओं का एक समालोचनात्मक विवरण दीजिए।

Give a critical account of region-specific constraints with regard to sustainable tourism in India. (Answer in 250 words) 15

संधारणीय पर्यटन का अर्थ है - प्रकृति तथा प्राकृतिक पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए पर्यटन गतिविधियों को जारी रखना जिससे न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की पीढ़ियाँ भी लाभान्वित हो सकें।

संधारणीय पर्यटन के लाभ:
- प्रकृति आधारित समाधान
- ग्लोबल वार्मिंग कम
- भविष्य की पीढ़ियाँ भी लाभान्वित।

संधारणीय पर्यटन में क्षेत्र-विशिष्ट बाधाएँ

1) असंधारणीय पर्यटन गतिविधियाँ
जैसे - पर्यटक स्थलों पर प्लास्टिक यूज, आग की चिंगारी आदि से जंगलों की आग

2) बजट का आवंटन कम होना

जैसे - उत्तराखंड, भारत में पर्यटक गतिविधियों में दूसरे स्थान पर है फिर भी GDP का 0.15% पर्यटन बजट)

3) जागरूकता का अभाव (पर्यटकों के बीच में)

4) सरकारी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं अर्थात दंड की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

5) राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी

6) आधारभूत अवसंरचना में कम निवेश तथा सरकार के पास सीमित संसाधन

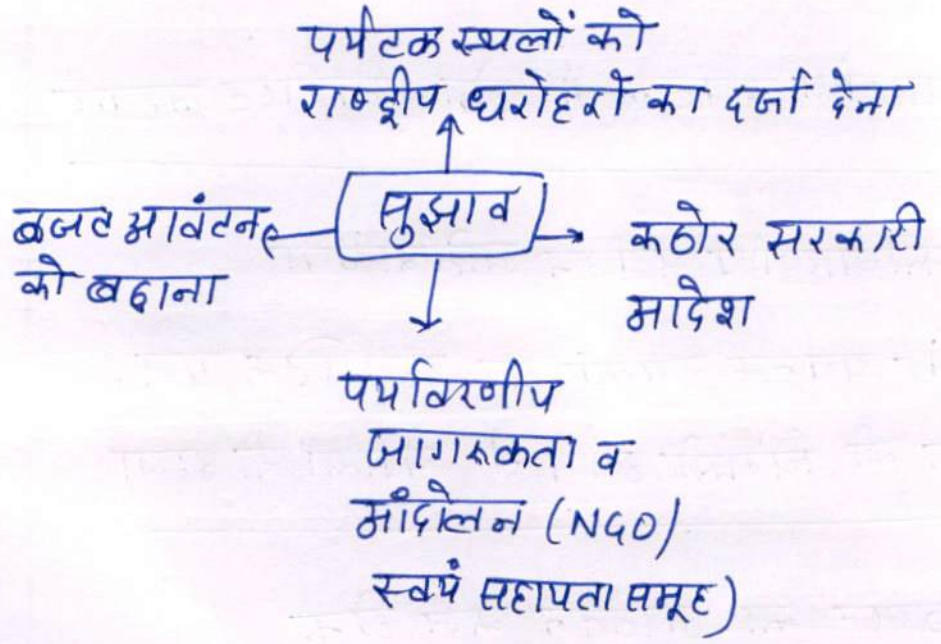

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

निष्कर्षतः "Incredible India" के लक्ष्य को साकार करने तथा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास हेतु संधारणीय पर्यटन पर बल देना समय की माँग है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. पारिस्थितिक तंत्र के लिए मृदा द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, भारत में संधारणीय मृदा प्रबंधन के महत्व पर चर्चा कीजिए।

In view of the important role played by soil for the ecosystem, discuss the significance of sustainable soil management in India. (Answer in 250 words) 15

मृदा, जलवायविक स्थितियों, कार्बनिक व अकार्बनिक पदार्थों, तापमान, वर्षण आदि पर निर्भर एक फलन है।

$S = f(cl, o, t, r, p)$

अर्थात् मृदा, पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत है जो पेड़-पौधों को संभाले रखती है।

मृदा द्वारा निभाई गई भूमिका

① मृदा वनस्पतियों के फलने-फूलने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है।

② मृदा, पृथ्वी पर पेड़-पौधों को संभाले रखती है

③ पेड़-पौधों के विकास की दृष्टि से उपयोगी

④ अन्य गतिविधियाँ { भवन निर्माण कार्यों में
बालू निर्माण, सीमेंट निर्माण

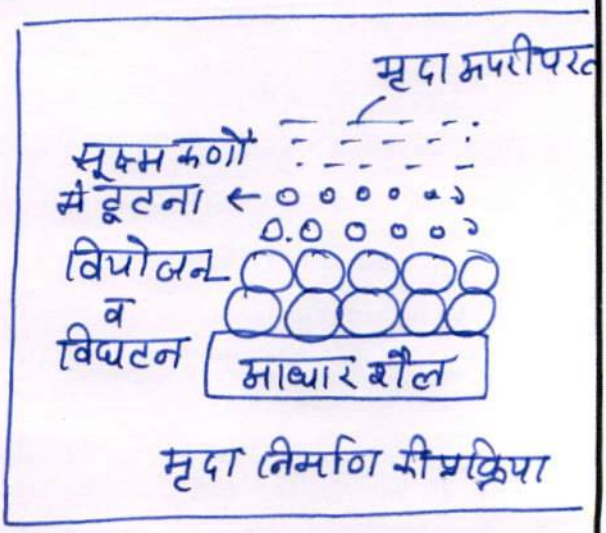

⑤ जड़ों को बाँधे रखती है तथा सतत व समावेशी विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

⑥ जैव विविधता संरक्षण

भारत में संधारणीय मृदा प्रबंधन का महत्व

1) पारिस्थितिकी संतुलन जिससे जैव-विविधता संरक्षण सुनिश्चित

2) पेड़-पौधों का वृद्धि-विकास जिससे कच्चा माल व कृषि उत्पादों की प्राप्ति

3) कच्चे माल का प्रयोग करके विनिर्माण उद्योगों (जैसे - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग) की स्थापना

4) रोजगार सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका

5) मृदा अपरदन कम जिससे वृक्षों की जीवन अवधि लम्बी होगी।

6) जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग से बचाव

2085
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना

राष्ट्रीय बीज नीति 2012 — पहलें — मृदा स्वास्थ्य नीति

निष्कर्षत: मृदा सभी प्रकार की आर्थिक, सामाजिक व पर्यावरणीय गतिविधियों का प्राथमिक आधार है। मृदा संरक्षण, सतत व समावेशी विकास तथा SDG लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. जेट धाराएं भारत और विश्व की जलवायु को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।
Jet streams play an important role in altering the climate of India and the world. Discuss with examples. (Answer in 250 words) 15

क्षोभमंडल की ऊपरी परत तथा समतापमंडल की निचली परत में पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर सर्पिलाकार (zig-zag) गति में चलने वाली तीव्र वायु प्रवाह को जेट धाराएँ कहते हैं।

जेट धाराओं की उत्पत्ति विपरीत वायुराशियों के मिश्रिसरण से होती है।

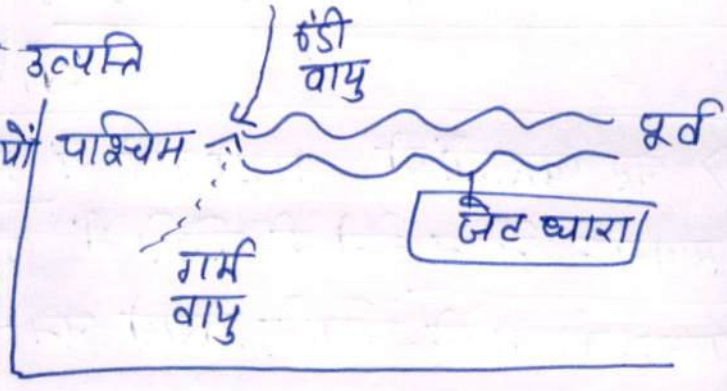

जेट धाराओं की जलवायु बदलने में भूमिका

1) ये जेट धाराएँ सब पश्चिमी विक्षोभ के रूप में प्रवाहित होती हैं तो हिमालय के दक्षिणी ढालों से टकराकर वर्षा करती हैं जो भारत में रबी की फसल के लिए आवश्यक है।

चित्र- जेट धाराओं का विश्व/भारत पर प्रभाव

2) जेट धाराओं से पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी व तापमान निम्न होने की स्थिति में घाटियों में पाला, कोहरा की स्थिति जिससे जन-जीवन प्रभावित होता है।

3) जेट धाराएँ जब शुष्कता को प्राप्त कर लेती हैं तो आने वाले अपने क्षेत्रों में शुष्क हवाओं के रूप में तापमान में वृद्धि तथा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया

4) हिमालय के पर्वतों पर तीव्र बर्फबारी जिससे जैव विविधता संरक्षण ⇒

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आर्कटिक लोमड़ी, ध्रुवीय भालू, हिम तेंदुआ जैसे वन्यजीवों के अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण।

5) पश्चिम एशिया में मरुस्थलीकरण के प्रसार में भूमिका।

निष्कर्षतः जेट धाराएँ

द्वितीय वायुमंडलीय परिसंचरण से संबंधित घटना है जिसके बारे में और अधिक अनुसंधान एवं विकास की आवश्यकता है जिससे इसके प्रभावों को अधिक समग्र विश्लेषण किया जा सके।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. भारत में मलिन बस्तियों के निर्माण और इसके प्रसार के लिए उत्तरदायी कारकों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत इन-सीटू स्लम पुनर्विकास योजना में सुधार की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

Highlighting the factors responsible for the formation and proliferation of slums in India, discuss the need to revamp the In-Situ Slum Redevelopment (ISSR) scheme under the Pradhan Mantri Awas Yojana (Urban). (Answer in 250 words) 15

जनगणना 2011 के अनुसार - वर्तमान में लगभग 17% आबादी भारत में मलिन बस्तियों में रहती है जो लगभग 65 मिलियन आबादी का प्रतिनिधित्व करती है।

भारत में मलिन बस्तियों के निर्माण / प्रसार के लिए उत्तरदायी कारक -

① तीव्र जनसंख्या वृद्धि (2011 जनगणना - 142 करोड़ UN प्रोस्पेक्ट्स रिपोर्ट - भारत, चीन को पीछे छोड़कर सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश)

② तीव्र शहरीकरण (2011 जनगणना - शहरीकरण दर ~ 31% है जिसके 2036 तक 40% होने का अनुमान)

③ शहरों में पर्याप्त सुविधाएँ व आधारभूत

ढाँचे का अभाव (अति - नगरीकरण)

(4) सरकारी नीतियों के बारे में जागरूकता का अभाव

(5) वित्त की समस्या / सीमित संसाधन आवंटन

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत इन-सीटू स्लम पुनर्विकास योजना में सुधार की आवश्यकता

1) आवास व पुनर्विकास योजना में बुनियादी ढाँचे के निर्माण को गति प्रदान करना [illegible] (धीमी गति)

2) लाभार्थियों की पहचान की समस्या (Inclusion व Exclusion Error)

3) जनजागरूकता का अभाव

4) केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय का अभाव

5) समय पर वित्त आवंटन सुनिश्चित न हो पाना।

आगे की राह -

1) लाभार्थियों का डिजिटल डेटाबेस तैयार करना

2) केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय को बढ़ाना देना

3) वित्त आवंटन को प्रभावी व समयबद्ध बनाना।

निष्कर्षतः मलिन बस्तियों की समस्या से निपटने के लिए स्मार्ट सिटी मिशन की तर्ज पर स्मार्ट विलेज मिशन जैसे कार्यक्रमों व जन सहभागिता (NGO, SHG) की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत में निर्धनता और पर्यावरण क्षरण के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए। निर्धनता में कमी करने से संबंधित प्रयास किस प्रकार सधारणीय विकास को बढ़ावा देंगे और पर्यावरण की सुरक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं?

Bring out the relationship between poverty and environmental degradation in India. How can poverty reduction efforts play an important role in promoting sustainable development and safeguarding the environment? (Answer in 250 words) 15

नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, भारत में लगभग 16% आबादी बहुआयामी रूप से गरीब है। यह आबादी ग्लोबल वार्मिंग में लगभग एक-चौथाई (1/4) का योगदान देती है।

निर्धनता एवं पर्यावरण क्षरण के बीच संबंध

इनमें चक्रीय संबंध पाया जाता है अर्थात निर्धनता में वृद्धि से पर्यावरण क्षरण बढ़ता है तथा पर्यावरण क्षरण से निर्धनता में वृद्धि होती है

उदा०) निर्धन जनसंख्या खाना बनाने हेतु अनवीकरणीय ऊर्जा संसाधन (कोयला, लकड़ी)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

का प्रयोग जिससे GHG उत्सर्जन में वृद्धि ⇒
पर्यावरणीय क्षरण

2) पर्यावरणीय क्षरण से उस देश की आर्थिक संवृद्धि तथा संसाधनों में कमी जिससे निर्धनता में वृद्धि

निर्धनता में कमी से संधारणीय विकास को बढ़ावा तथा पर्यावरण की सुरक्षा कैसे ?

1) निर्धनता में कमी से समाज के सभी वर्गों तक स्वच्छ व हरित ऊर्जा संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित जिससे पर्यावरणीय सुरक्षा

2) निर्धनता में कमी से प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम प्रयोग सुनिश्चित

- वृक्षों की अंधाधुंध कटाई नहीं
- स्थानांतरण कृषि / झूम कृषि कम
- प्राकृतिक संसाधनों का गुणवत्ता / पुनर्प्रयोग

⇓

सतत विकास / पर्यावरणीय सुरक्षा

3) निर्धनता कमी से आर्थिक संवृद्धि तथा विकास में वृद्धि जिससे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों (जल ऊर्जा, सौर ऊर्जा) तक पहुँच / अत्यधिक खनन कार्यों का प्रयोग या क्रिया विधि सीमित

⇓

सतत विकास / पर्यावरणीय सुरक्षा

PM उज्ज्वला योजना

PM आयुष्मान भारत योजना ← पहले → PM किसान सम्मान निधि योजना

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013

निष्कर्षतः निर्धनता उन्मूलन से SDG-1, 2, 3 (शून्य भुखमरी, गरीबी नहीं, अच्छा स्वास्थ्य) जैसे लक्ष्यों की प्राप्ति संभव होगी तथा जलवायु क्रिया (SDG-13) का क्रियान्वयन सुनिश्चित होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. वैश्वीकरण और धर्म के बीच का संबंध जटिल रहा है, साथ ही दोनों के बीच की अंतःक्रिया के परिणामस्वरूप नई संभावनाएं और चुनौतियां उभर रही हैं। चर्चा कीजिए।

The relationship between globalisation and religion has been a complex one with new possibilities and challenges emerging as a result of the interaction between the two. Discuss. (Answer in 250 words) 15

वैश्वीकरण सीमाहीन प्रकृति अर्थात् ग्लोबल विलेज की अवधारणा पर आधारित है जिसमें पूंजी, लोगों, तकनीक, संचार आदि की तीव्र आवाजाही सुनिश्चित होती है।

वैश्वीकरण और धर्म के बीच अंतर्क्रिया

वैश्वीकरण ने समाज, युवा वर्ग, बुजुर्गों, महिलाओं आदि के साथ-साथ धर्म को भी प्रभावित किया है

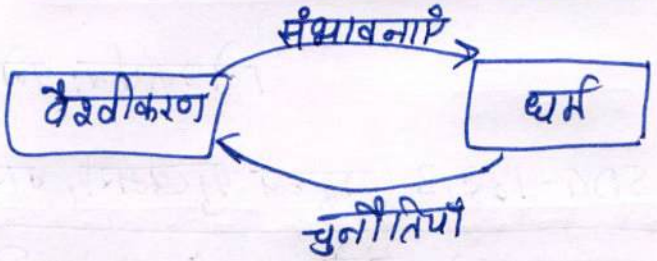

संभावनाएँ

1) धर्मों की लचीली अवधारणाओं का उदय

जैसे - पंथ की अवधारणा

श्री श्री रविशंकर का Art of Living

महेश योगी का Trancedental मेडिटेशन

संत निरंकारी का स्कूल, अस्पताल

पतंजलि का योग, आयुर्वेदिक प्रोडक्ट्स आदि।

2) धर्म का उदारीकृत स्वरूप

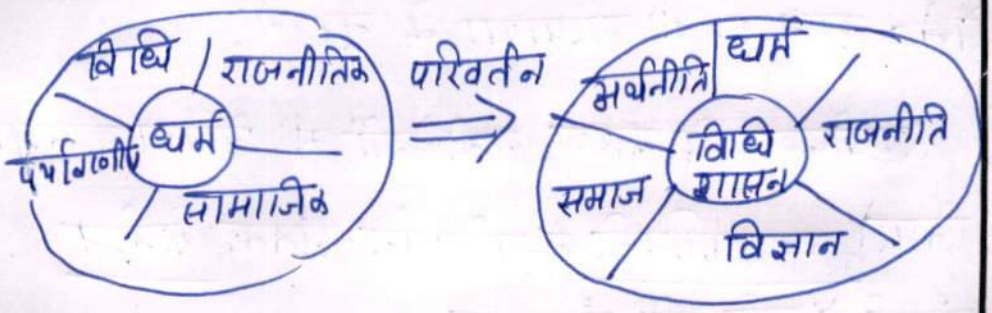

3) युवाओं ने अंतरधार्मिक / अंतरजातीय विवाहों को अपनाया है जिससे धर्म का कट्टरपंथी रूप कमजोर हुआ है।

4) सहभोज्यता के नियमों में बदलाव

जैसे- ब्राह्मण धर्म का न्यू फूड कल्चर के प्रति झुकाव (ग्लोकलाइजेशन का प्रभाव)

5) व्यावसायिक गतिविधियाँ / रोजगार भी धर्म के बंधन से हटने लगी हैं।

जैसे- वैश्यों, दलित जातियों के बच्चों का शैक्षणिक रुझान व नौकरियों की तरफ आकर्षण।

चुनौतियाँ

1) अभी भी कुछ समुदायों में जागरूकता के अभाव के कारण धर्म केन्द्रित मानसिकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) सांप्रदायिक दंगों / हिंसा जारी (NCRB- 2020 में 874 तथा 2021 में 354 सांप्रदायिक घटनाएँ)

जैसे - हाल ही में हरियाणा के नूह में

3) वैश्वीकरण के कारण सभी देशों में विविध धर्मानुयायी जिससे जनसांख्यिकी में परिवर्तन अंततः क्षेत्रीय संघर्ष में वृद्धि की संभावना

4) धर्म को किसी भी क्षेत्र विशेष / देश विशेष से जोड़कर देखने की मानसिकता
जैसे- भारत → हिन्दू बहुसंख्यक
पश्चिम एशिया → मुस्लिम बहुसंख्यक

निष्कर्षतः वैश्वीकरण

दो धारी तलवार की तरह है जिसने एक तरफ धर्म को लचीला बनाया है जबकि दूसरी तरफ क्षेत्रीय संघर्ष भी बढ़े हैं। भारत की "वसुधैव कुटुम्बकम्" की सोच वैश्वीकरण और धर्म को G-20 के मंच से नये आयाम देगी।